RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
ARJUN BATCH
CLASS 12th | GEOGRAPHY
जल-संसाधन
जल संरक्षण
अध्याय-4 | भाग-5
एकदम BASIC से!

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1. भौम जल प्रदूषण के कारण
2. जल संभर प्रबंधन

वर्षण (वर्षा + हिमपात)
(1 वर्ष जल)
→ 4000 घन km
→ 1869 घन km (उपलब्ध)
→ 1122 घन km (उपयोग)
690 (धरातलीय)
432 km (भौम जल)

भारत में प्रदूषित नदियाँ

- दिल्ली और इटावा के बीच : यमुना नदी
- अहमदाबाद : साबरमती
- लखनऊ : गोमती
- मदुरई : काली, अडयार, कूअम, वैगई
- हैदराबाद : मूसी
- कानपुर व वाराणसी : गंगा

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

दिल्ली और इटावा के बीच यमुना नदी देश में सबसे अधिक प्रदूषित नदी है।

यमुना नदी

उद्गम – यमुनोत्री ग्ले (U.K)

राज्य → ① उत्तराखण्ड
② हरियाणा
③ दिल्ली
④ उत्तरप्रदेश

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

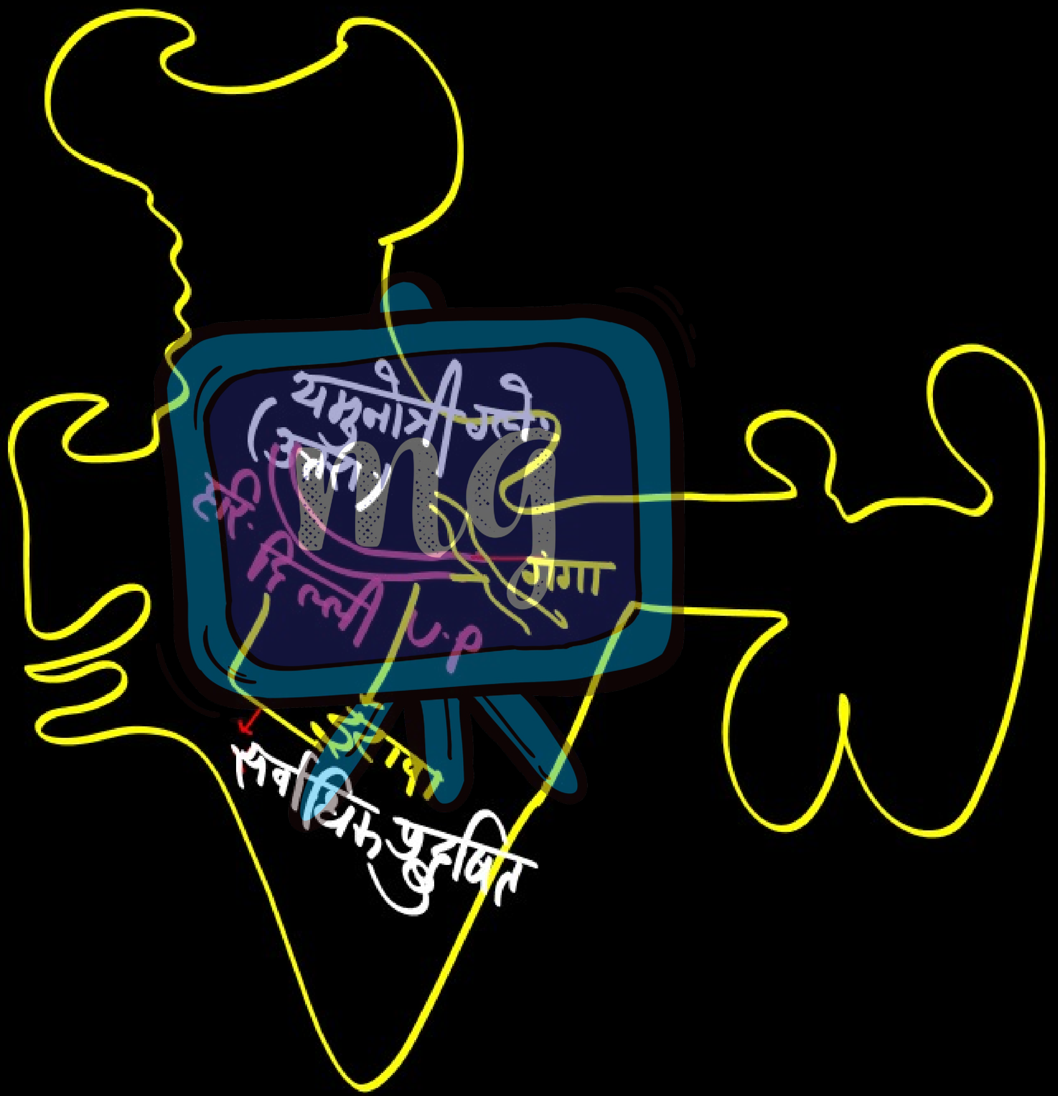

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौम जल प्रदूषण के कारण

भारी/विषैली धातुओं, फ्लुओराइड और नाइट्रेट्स का संकेंद्रण

तालाब, झील, नदी

① धरातलीय जल का स्त्रोत

भौम जल

↳ भूगर्भ मे जल

कुँआ, नल-कूप।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वैधानिक व्यवस्थाएँ

(गैर (अवैधानिक)

① संवैधानिक → जिसका उल्लेख संविधान किसी अनुच्छेद मे उल्लेख।

वैधानिक → संसद के नियम

Act

- जल अधिनियम : 1974 (प्रदूषण का निवारण और नियंत्रण)
- पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम : 1986

मंत्रीपरिषद के द्वारा

नीति आयोग

Bill

विधेयक

Act.

अधिनियम

कानून

R.S + L.S ⟶ राष्ट्रपति हस्ताक्षर (Act)

Bill.

नोट

1997 में प्रदूषण फैलाने वाले 251 उद्योग नदियों और झीलों के किनारे स्थापित किए गए थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(1) जल प्रदूषण अधि. 1974
(2) जल उपकर अधि. 1977
(3) पर्यावरण संरक्षण अधि. 1986

जल उपकर अधिनियम 1977

- उद्देश्य : प्रदूषण कम करना
- सीमित प्रभाव

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

जल प्रदूषण का निवारण उपाय

जन जागरूकता और उनकी भागीदारी से कृषिगत कार्यों, घरेलू और औद्योगिक विसर्जन से प्राप्त प्रदूषकों में बहुत प्रभावशाली ढंग से कमी

जन जागरूकता
कृषि कार्यों
औद्योगिक अवशिष्ट पदार्थ
प्रदूषण में कमी

जल का पुनः चक्र और पुनः उपयोग

- अलवणीय जल की उपलब्धता में सुधार
- कम गुणवत्ता के जल का उपयोग
- शोधित अपशिष्ट जल उद्योगों के लिए एक आकर्षक विकल्प
- उपयोग शीतलन एवं अग्निशमन के लिए
- स्नान और बर्तन धोने में प्रयुक्त जल को बागवानी के लिए

लवणीय (खारा)
अलवणीय (मीठा)
जल
कम गुणवत्ता
मशीन ठण्डा

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- अच्छी गुणवत्ता वाले जल का पीने के उद्देश्य के लिए संरक्षण

अच्छी गुणवत्ता (मीठा जल)
पीने के उद्देश्य से संरक्षण करना।

RIICO GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

नोट

वर्तमान में, पानी का पुनः चक्रण एक सीमित माप में किया गया है फिर भी, पुनः चक्रण द्वारा पुनः पूर्तियोग्य जल की उपादेयता व्यापक है।

जल संभर प्रबंधन

- अर्थ : धरातलीय और भौम जल संसाधनों के दक्ष प्रबंधन
- कार्य : बहते जल को रोकना
- भौम जल का संचयन :-

अंतः स्रवण तालाब	कुओं का पुनर्भरण

जल
धरातलीय
भौम
दक्ष प्रबन्धन
जल सम्भर प्रबन्धन।

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

जल संभर प्रबंधन का विस्तृत अर्थ

प्राकृतिक (जैसे- भूमि, जल, पौधे और प्राणियों) और जल संभर सहित मानवीय संसाधनों के संरक्षण, पुनरुत्पादन और विवेकपूर्ण उपयोग

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जल संभर प्रबंधन का उद्देश्य

प्राकृतिक संसाधनों और समाज के बीच संतुलन लाना

प्राकृतिक संसाधन (सीमित)

संतुलन

समाज के बीच सेतु

जनसंख्या वृद्धि

नोट

जल-संभर व्यवस्था की सफलता मुख्य रूप से संप्रदाय के सहयोग पर निर्भर करती है।

जल संभर व्यवस्था
↓
समाज
↓
जन-जागरूकता
(जनता सहयोग)

जनता

जल संभर विकास व प्रबंधन कार्यक्रम

- हरियाली
- नीरू-मीरू कार्यक्रम — आन्ध्रप्रदेश
- अटल भूजल योजना
- अरवारी पानी संसद — अलवर (राजस्थान)

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

हरियाली

- केंद्र सरकार द्वारा प्रवर्तित जल-संभर विकास परियोजना
- उद्देश्य : ग्रामीण जनसंख्या को पीने, सिंचाई, मत्स्य पालन और वन रोपण के लिए जल संरक्षण के लिए योग्य बनाना
- परियोजना लोगों के सहयोग से ग्राम पंचायतों द्वारा निष्पादित

जनता के सहयोग

ग्राम पंचायत

कार्य निष्पादित

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अटल भूजल योजना (अटल जल)

❖ **उद्देश्य :** भूजल का सतत उपयोग, संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से जल संकट का समाधान

ATAL BHUJAL YOJANA

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

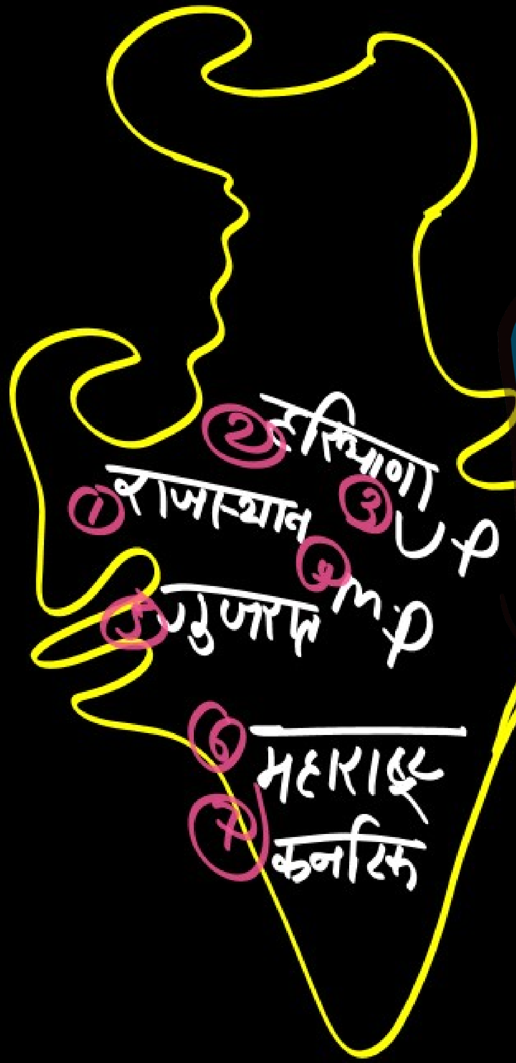

❖ कार्यान्वयन क्षेत्र :-

- 7 राज्य : गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश
- 80 जिले
- 229 प्रशासनिक ब्लॉक/तालुका
- 8220 जल-अभावग्रस्त ग्राम पंचायतें

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

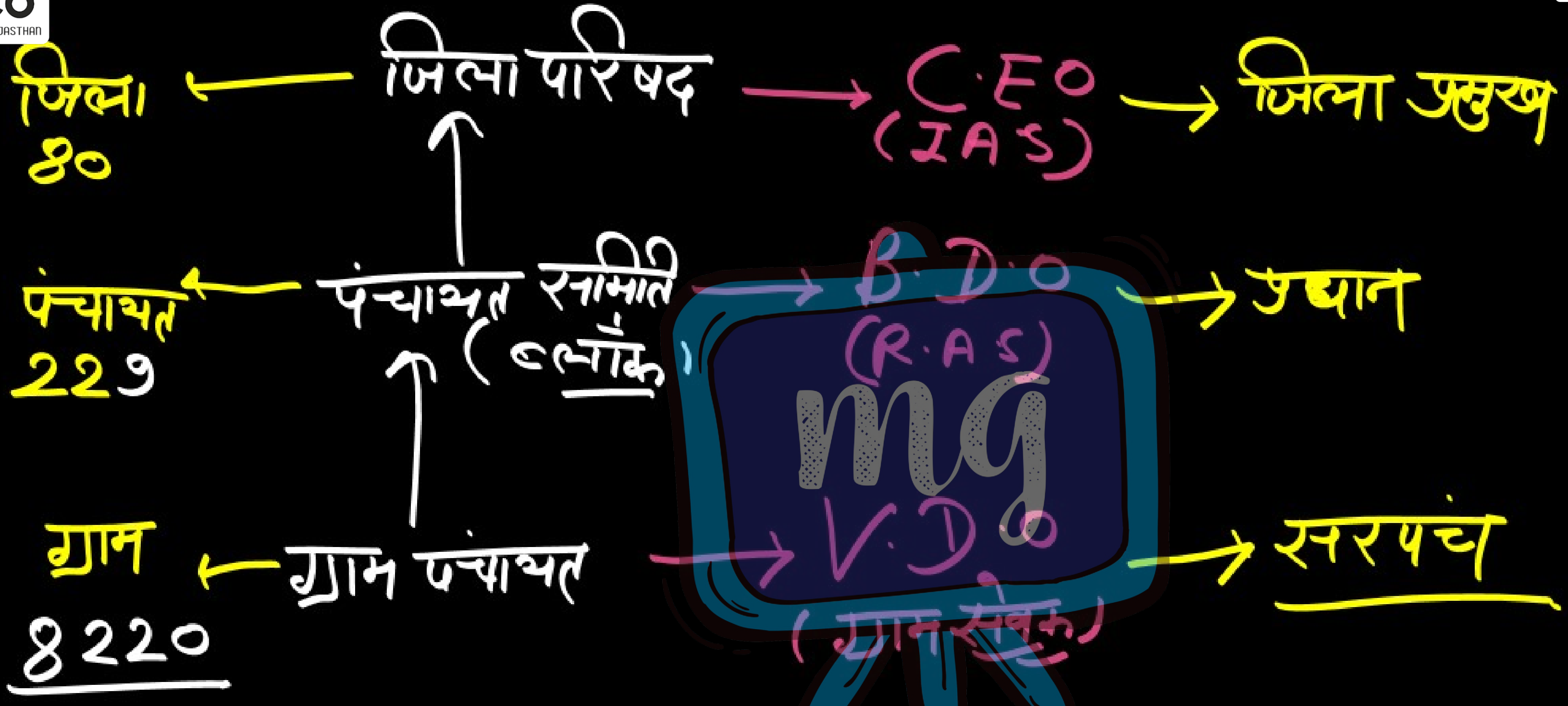

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अति-दोहित
गम्भीर

❖ लक्षित क्षेत्र :-

- अति-दोहित, गंभीर और अर्ध-गंभीर भूजल ब्लॉक है
- ये ब्लॉक चुने गए राज्यों के कुल जल-अभावग्रस्त ब्लॉकों का लगभग 37% हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अटल भू-जल योजना

↳ उद्देश्य – भूमिगत ↳ उपयोग
↳ संरक्षण

राज्य – (7)

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

❖ मुख्य विशेषताएँ :-

- ➢ जल संरक्षण को बढ़ावा
- ➢ विवेकपूर्ण जल प्रबंधन
- ➢ जन-व्यवहार में परिवर्तन लाना (पानी के उपयोग की सोच बदलना)
- ➢ स्थानीय समुदाय की भागीदारी पर जोर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

नीरू-मीरू कार्यक्रम - आंध्रप्रदेश

- जन-सहभागिता से जल संरक्षण कार्य
- अंतःस्रवण तालाब, ताल (जोहड़) की खुदाई
- रोक बाँधों का निर्माण

बांध

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अरवारी पानी संसद – अलवर (राजस्थान)

- जन सहयोग से पारंपरिक जल संग्रहण संरचनाओं का विकास
- जल प्रबंधन में सामुदायिक भूमिका

जल उपयोग

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

तमिलनाडु में जल संग्रहण व्यवस्था

- घरों में जल संग्रहण संरचना अनिवार्य
- बिना जल संग्रहण संरचना के भवन निर्माण की अनुमति नहीं

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जल-संभर विकास परियोजनाएँ

- कुछ क्षेत्रों में पर्यावरण और अर्थव्यवस्था का कायाकल्प
- अधिकांश कार्यक्रम अभी प्रारंभिक (उदीयमान) अवस्था में

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आवश्यकता

जल-संभर विकास और प्रबंधन के लाभों पर जन-जागरूकता

एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन से सतत जल उपलब्धता सुनिश्चित

रालेगॉन सिद्धि, अहमदनगर, महाराष्ट्र में जल-संभर विकास : एक वस्तुस्थिति अध्ययन

- महाराष्ट्र में, अहमदनगर जिले में रालेगॉन सिद्धि एक छोटा-सा गाँव है। यह पूरे देश में जल-संभर विकास का एक उदाहरण है। 1975 में, यह गाँव गरीबी और शराब के गैर कानूनी व्यापार जाल में जकड़ा हुआ था। उस समय गाँव में परिवर्तन आया जब सेना का एक सेवानिवृत्त कर्मचारी उस गाँव में बस गया और जल-संभर विकास का कार्य आरंभ किया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- उसने गाँव वालों को परिवार नियोजन और ऐच्छिक श्रम, खुली चराई, वृक्षों की कटाई रोकने और मद्य निषेध के लिए तैयार किया।
- ऐच्छिक श्रम आर्थिक सहायता के लिए सरकार पर कम से कम निर्भर रहने के लिए आवश्यक था। उस स्वयंसेवी के कथनानुसार, "इसने परियोजनाओं की लागत का समाजीकरण कर दिया।" जो व्यक्ति गाँव के बाहर काम कर रहे थे, उन्होंने भी प्रति वर्ष एक महीने का वेतन देकर विकास में सहयोग दिया।

- गाँव में अंत: स्रावी तालाब के निर्माण के साथ कार्य शुरू हुआ। 1975 में तालाब में पानी नहीं रुक सका। तटबंध की दीवारें रिस रही थीं। तटबंध को स्वैच्छिक रूप से मरम्मत करने के लिए लोगों को एकत्र किया गया। लोगों की याद में पहली बार गर्मी में इसके नीचे सात कुओं में जल भर गया। लोगों ने अपने नेता और उसके विचारों में अपना विश्वास दिखाया।

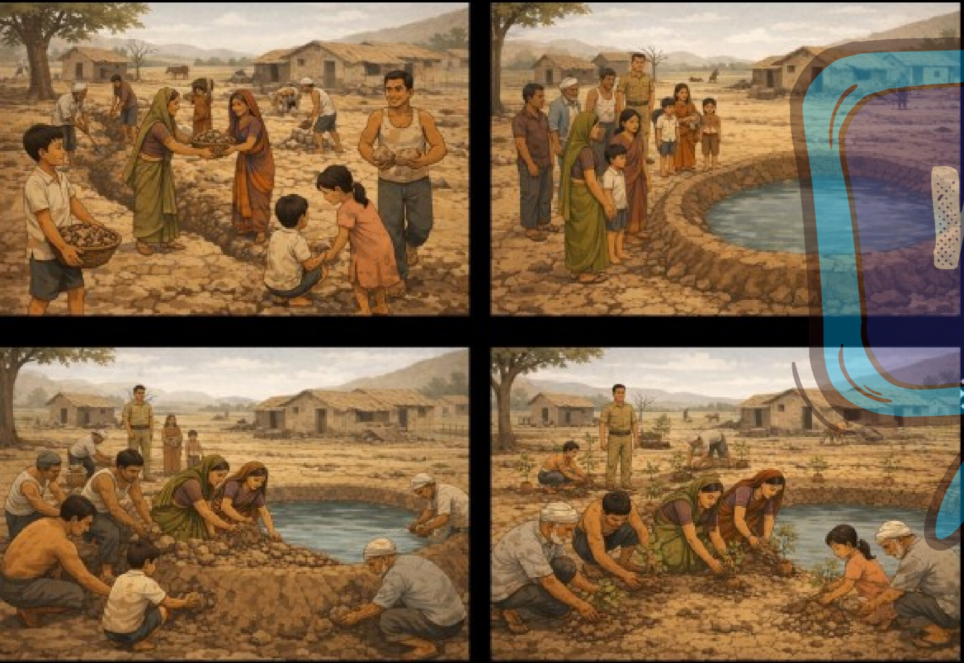

- नौजवानों का एक समूह बनाया गया जिसे 'तरुण मंडल' कहा गया। समूह ने दहेज प्रथा, जातिवाद और छुआछूत पर प्रतिबंध लगाने का काम किया। शराब आसवन इकाई खत्म कर दी गई और मद्य निषेध लागू कर दिया गया।
- थान पर चारा देने पर जोर देकर खुली चराई पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया। गहन जल फ़सल, जैसे गन्ने की खेती पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- कम पानी की आवश्यकता वाली फ़सलों, जैसे- दालें, तिलहन और कुछ नगदी फ़सलों को प्रोत्साहित किया गया।
- स्थानिक संस्थाओं के सारे चुनाव सर्वसम्मति के आधार पर शुरू कर दिए गए। "इसने संप्रदाय के नेताओं को लोगों का पूर्ण प्रतिनिधि बना दिया।" न्याय पंचायत प्रणाली स्थापित की गई। तब से कोई भी मुकदमा पुलिस को नहीं दिया जाता।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- 22 लाख रुपए की लागत से एक विद्यालय की इमारत का निर्माण केवल गाँव के संसाधनों के उपयोग से किया गया। उसके लिए कोई भी दान नहीं लिया गया। आवश्यकता पड़ने पर धन को कर्ज लेकर बाद में वापस कर दिया गया। गाँव वालों को इस आत्मनिर्भरता से गर्व महसूस हुआ। गर्व की अनुप्रेरणा और ऐच्छिक भावना की इस अनुप्रेरणा से श्रम की हिस्सेदारी की एक नई प्रणाली का विकास हुआ।

❖ लोग कृषि कार्य में स्वेच्छा से एक-दूसरे की मदद करने लगे। भूमिहीन श्रमिकों को रोज़गार मिल गया। आजकल ग्राम अपने समीपवर्ती ग्रामों में उनके लिए भूमि खरीदने की योजना बनाते हैं। वर्तमान में जल पर्याप्त मात्रा में है, खेती फल-फूल रही है, यद्यपि उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग अत्यधिक हो रहा है। नेता के बाद कार्य जारी रखने के लिए वर्तमान पीढ़ी की समृद्धि को बनाए रखने की योग्यता के संबंध में प्रश्न उठता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- उनके शब्दों में इसका उत्तर मिलता है, "रालेगॉन के विकास की प्रक्रिया एक आदर्श गाँव बनने तक नहीं रुकेगी।" बदलते समय के साथ लोग विकास के नए रास्तों की ओर अग्रसर हैं। भविष्य में, रालेगॉन देश का एक अलग मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।"